Patrika (Indore), 17th January 2025, Front Page – plus 02

आइआइटी इंदौर ने की घोषणा

शास्त्रीय संगीत, नृत्य और लोक कला से जुड़ेंगे आइआइटी इंजीनियर्स

इंदौर @ पत्रिका .आइआइटी इंदौर में भावी इंजीनियर्स अब संगीत और नृत्य के साथ ही लोककला से भी जुड़ सकेंगे। इस बात की घोषणा आइआइटी इंदौर के डायरेक्टर डॉ. सुहास जोशी ने गुरुवार को 'स्पिक मैके' के कार्यक्रम में चर्चा की दौरान की। उन्होंने कहा, इस वर्ष से प्रत्येक सेमेस्टर में इस विधा के 10 से 12 लेक्चर देने की शुरुआत जल्द ही की जाएगी। इससे न सिर्फ इंजीनिरिंग छात्रों की मानसिक स्थिति को बेहतर किया जा सकेगा बल्कि उन्हें लोककला से जोड़ना संभव होगा।

डॉ. सुहास ने कहा, इंजीनियरिंग के कई छात्र संगीत-नृत्य से जुड़ना चाहते थे। हालांकि इंजीनियरिंग को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने अपनी पसंद को दरकिनार कर दिया। इस प्रकार की नई शुरुआत से ऐसे छात्रों को अपनी पसंद की विधा से जुड़ने का अवसर मिल सकेगा।

स्पीक मैके संस्था करेगी सहयोग

आइआइटी में कला विधा के लेक्चर को सुचारू चलाने के लिए संस्था स्पीक मैके सहयोग करेगी। जल्द ही इंदौर से संगीत के क्षेत्र के विशेषज्ञ को सेमेस्टर में होने वाले लेक्चर के लिए लाने की तैयारी है, जो छात्रों को इस विधा में सही ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान कर सके।